आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्॥

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव' | मूल्य » 5 | वर्ष » 13 | अंक » 152 | मुद्रण तारीख » 1 अगस्त 2024 | कुल पृष्ठ » 24

छत्तीसगढ़
756

तेलंगाना
810

आन्ध्रप्रदेश
325

तीन राज्यों में दिव्यांगजन को नि:शुल्क कृत्रिम अंग

हौसले हुए बुलंद

17 सितम्बर से
2 अक्टूबर, 2024

श्राद्ध पक्ष

अपने दिवंगत प्रियजनों को प्रसन्न करने का पावन अवसर

Bank Name : **State Bank of India**
Account Name : **Narayan Seva Sansthan**
Account Number : **31505501196**
IFSC Code : **SBIN0011406**
Branch : **Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001**

Donate via UPI
Google Pay PhonePe paytm
narayanseva@sbi

सप्तदिवसीय भागवत मूलपाठ, श्राद्ध तिथि तर्पण व ब्राह्मण भोजन सेवा ₹21000

helpline Number
+91 294 662 2222

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 152 मुद्रण तारीख » 1 अगस्त 2024 कुल पृष्ठ » 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयः 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत
» फोन नं. +91-294-6622222, वाट्सऐपः +91-7023509999

इस माह सेवा अंक

स्वतंत्रता दिवस एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

04

08

11

12

19

सम्पादक मंडलः मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल, सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी-भगवान प्रसाद गौड़, डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

Seva Soubhagya Print Date 1 August, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

'सेवक'
प्रशांत भैया
अध्यक्ष

सम्पूर्ण समाज ही आराध्य

हम सभी के अन्तःकरण में यह भाव स्थायी रूप से रहना ही चाहिए कि अपंग, दुर्बल, अशिक्षित, वंचित, उपेक्षित मानव के रूप में साक्षात् नारायण ही हमारे सम्मुख आते हैं, कहीं ऐसा न हो कि हम उनके कृपा भाव से वंचित रह जाएं।

सेवा करने वाले और सेवित दो अलग वर्ग नहीं हैं। अपनत्व व स्नेह भाव से ही सेवा होनी चाहिए। आपकी-हमारी सोच भी यही है कि सेवा के माध्यम से वंचित समाज में श्रेष्ठ जीवन की आकांक्षा जाग्रत हो। सम्पूर्ण समाज ही हमारा आराध्य है और उसकी सेवा ही आराधना है। स्वामी विवेकानंद के इस कथन को कौन भूल सकता है कि 'मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।'

आपश्री के सेवाभाव से ही आज हजारों दिव्यांग, निराश्रित रोगी और उपेक्षित बंधु-बहिनें संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों से लाभान्वित होते हुए आपके प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं। हम सभी के अन्तःकरण में यह भाव स्थायी रूप से रहना ही चाहिए कि अपंग, दुर्बल, अशिक्षित, वंचित, उपेक्षित मानव के रूप में साक्षात् नारायण ही हमारे सम्मुख आते हैं, कहीं ऐसा न हो कि हम उनके कृपा भाव से वंचित रह जाएं। इस वर्ग की सेवा-सुश्रुषा से मिलने वाला आशीश ही उस परमपिता की कृपा है, जिससे जीवन सार्थकता पा जाएगा। हमें वंचितों की आवश्यकताओं में सहभागी बनकर उनका सशक्तीकरण करना है। इससे समाज स्वतः सशक्त होता रहेगा। पिछले माह आपश्री के सहयोग से हैदाराबाद, रायपुर, विशाखापटनम् सहित विभिन्न शहरों में दिव्यांगजन के जीवन को सुगम बनाने के लिए कृत्रिम अंग के माप व फिटमेंट शिविर लगाए, जिनमें करीब 2 हजार से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। सेवा, जीवन को उत्कृष्ट और पूर्ण बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। व्यक्ति सभी प्रकार की सुखानुभूति करता है। भौतिक सुख-सुविधाएं इसमें उसकी सहायक बनती हैं। इस सम्बंध में पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का मानना था कि जब तक परमार्थ द्वारा आत्मा को संतुष्ट नहीं किया जाएगा, उसकी मांग पूरी न की जाएगी, तब तक सब सुख-सुविधाएं होते हुए भी मनुष्य को एक अभाव, एक अतृप्ति विचलित करती ही रहेगी। शरीर अथवा मन को संतुष्ट कर लेना भर ही वास्तव में सुख नहीं है, वास्तविक सुख है-आत्मा को सन्तुष्ट करना, उसे प्रसन्न करना। सेवा से आत्मिक सन्तोष, प्रफुल्लता, सद्भावना और आध्यात्मिक बोध की प्राप्ति होती है,जो कई प्रकार के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष लाभ का कारण भी बनती है, कहां किस प्रकार की सेवा की आवश्यकता है, यह देश काल की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। सेवा का आपका-हमारा भाव बना रहे, ईश्वर से यही प्रार्थना है। प्रणाम!

पूज्य
श्री कैलाश 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन

स्थायी मुकाम नहीं संसार

जो लोग जीवन का लक्ष्य तय करते हैं और उसे भूलते नहीं। वे कभी भटकते नहीं। सफलता के सोपान चढ़ते ही जाते हैं। जहां जीने का कोई सार्थक लक्ष्य नहीं, उद्देश्य नहीं, वह जीवन अकारथ है, अपने पर भी भार समान है। जीवन में भटकाव का मूल कारण अहंकार है, यह व्यक्ति को उसके संसाधनों, पद और प्रतिष्ठा का अहसास तो कराता है किन्तु दूसरों के प्रति उसका क्या दायित्व है, इससे विमुख ही रखता है। जिसने अहंकार को गला दिया, समझो उसने अपने जीवन को तीर्थ यात्रा का रूप दे दिया। भौतिक समृद्धि का अहं ही हमारे भटकाव का मूल कारण है, लौकिक पदार्थों के प्रति ममता और आसक्ति के स्थान पर प्रभु से अनन्य प्रीति और अनुराग से ही जीवन की सार्थकता का ज्ञान प्राप्त होता है।

जीव की यात्रा का संसार एक मुकाम है, स्थायी निवास नहीं। जो इस बात को भूल गया वह मकड़ी की तरह खुद के बुने जाल से कभी छूट नहीं पाएगा। दीन-दुःखी, असहाय और पीड़ित की सेवा में जो सामर्थ्यानुसार अपना तन-मन और धन समर्पित करता है, वह अपने स्वरूप में स्थिर रहता है।

एक बार राजा भोज बन भ्रमण को गए। उनके साथ कवि कालिदास भी थे। दोनों आपस में ज्ञान चर्चा करते बढ़ रहे थे। पता ही न चला कब संध्या ढल गई। रास्ता भटक गए। उन्हें सामने घास का गट्ठर उठाए आ रही वृद्धा मिली। राजा ने पूछा-यह रास्ता किधर जा रहा है ? वृद्धा बोली-बेटा ! रास्ता तो स्थिर रहता है यात्री इस पर आया- जाया करते हैं। तुम कौन हो, कहां जाना है? राजा ने कहा-हम मुसाफिर हैं, रास्ता भटक गए हैं। वह बोली- 'मुसाफिर तो सूर्य, चंद्रमा हैं जो निरंतर चलते रहते हैं। सच बताओं तुम कौन हो।' जवाब मिला- 'मैं राजा हूं और यह मेरे सहयात्री कवि कालिदास हैं। वृद्धा ने कहा-राजा तो केवल दो हैं-एक आत्मा और दूसरा परमात्मा। परमात्मा का राज सर्वत्र दिखाई देता है और आत्मा संपूर्ण शरीर को नियंत्रित करता है। 'तब राजा ने हाथ जोड़कर कहा मां! हम भटके हुए साधारण लोग हैं।' दरअसल भोज ने अपने पद के अहंकार में जब वृद्धा से मार्ग पूछा तो वह सामान्य शिष्टाचार भी भूल गया। उसे प्रणाम भी नहीं किया। कवि कालिदास पर भी विद्धता का भ्रम सवार था। वृद्धा ने कहा बेटा! अब तुम सही रास्ते पर हो, यहीं से बाएं चले जाओ धार नगरी पहुंच जाओगे। अब कभी भटकना मत। बन्धुओं! यह प्रसंग संकेत देता है कि जिस दिन आत्मा-परमात्मा और उनसे हमारे संबंधों का हमें ज्ञान हो जाएगा, उसी दिन आत्मबोध भी प्राप्त हो जाएगा। इस स्थिति तक पहुंचने के लिए अहं को मिटाकर परमार्थ के मार्ग पर ही चलना होता है। क्योंकि वही सही गंतव्य है।

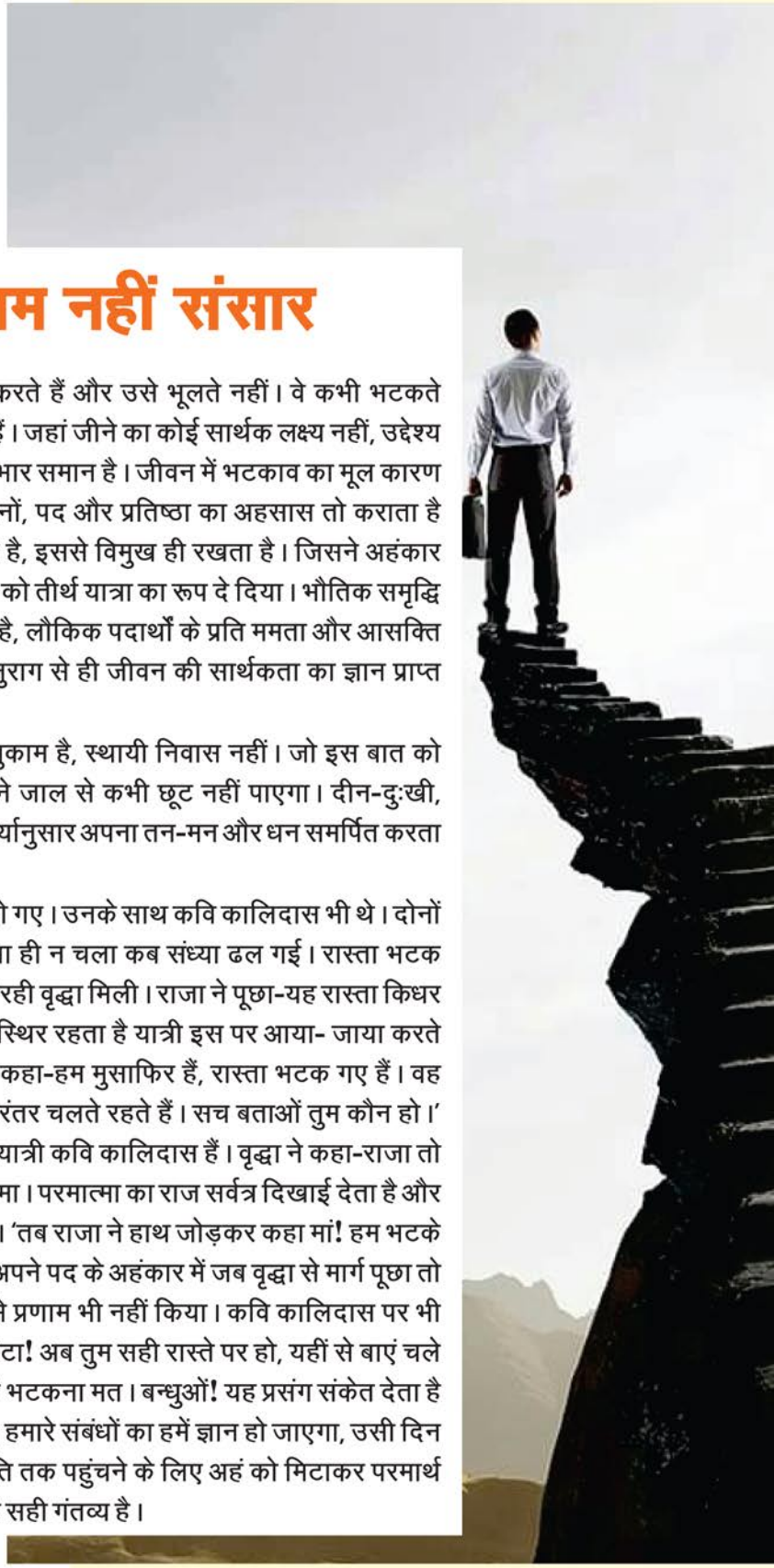

प्रकृति देवो नमाम्यहम्

शरीर में जब विभिन्न विषाक्त पदार्थों का जमाव हो जाता है तो रोग उत्पन्न होते हैं यदि समय पर सही उपचार न हुआ तो यह शरीर को अपना स्थाई आवास बना लेते हैं।

वैदिक काल से ही पंच महाभूत (पृथ्वी, आकाश, वायु, अग्नि एवं जल) की महत्ता को स्वीकारा गया है। असल में हम प्रकृति की ओर कदम बढ़ाकर अथवा प्राकृतिक चिकित्सा (नेचुरोपैथी) पद्धति अपनाकर ही जीवन की संजीवनी शक्ति और रोग प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त कर सकते हैं। यह समस्त आधि-व्याधियों एवं साध्य-असाध्य रोगों को जड़ से समाप्त कर देती है। इससे मनुष्य दीर्घायु और आरोग्य पूर्ण जीवन प्राप्त कर सकता है। प्रकृति की उपेक्षा का ही परिणाम आज की नाना प्रकार की समस्याएं हैं। स्वास्थ्य प्रत्येक प्राणी का जीवनाधार है। इसकी धूरी पर जीवन चक्र टिका है। इसमें समुचित एवं संतुलित आहार, निद्रा, सूर्य का प्रकाश, स्वच्छ पेयजल, विशुद्ध वायु, योग-व्यायाम, स्वच्छता, सकारात्मक विचार व वातावरण के साथ ही प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं से रोगोपचार शामिल है। अप्राकृतिक जीवन शैली का ही परिणाम है, रोग। शरीर में जब विभिन्न विषाक्त पदार्थों का जमाव-प्रभाव हो जाता है तो रोग उत्पन्न होते हैं यदि समय पर सही उपचार न हुआ तो यह शरीर को अपना स्थाई आवास बना लेते हैं। नेचुरोपैथी ही पूर्ण स्वास्थ की गारंटी है। जीवनी शक्ति बढ़ाने की एकमात्र क्षमता प्रकृति के पास ही है। महात्मा गांधी भी प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति का बहुत गहराई से अध्ययन करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यह भारत के गांव-गांव, शहर-शहर और हर घर तक पहुंचनी चाहिए।

आपके अपने नारायण सेवा संस्थान में संचालित 'श्री नारायण-महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय' ऐसे अनेक महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है, जो असाध्य रोगों से ग्रस्त हैं। उदयपुर शहर से 12 किमी. दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के मध्य स्थित सेवामहातीर्थ परिसर में प्राकृतिक चिकित्सालय से ऐसे अनेक महानुभाव लाभान्वित हो चुके हैं, जो विभिन्न उपायों के बावजूद रोगों से उबर नहीं पाए और इसे अपनी नियती ही मान बैठे। लेकिन यहां पधारने और नियमित प्राकृतिक उपचार व जीवन शैली अपनाते हुए आज आरोग्य पूर्ण जीवन का आनंद ले रहे हैं। जो सज्जन अपनी बीमारियों से थक-हारकर निराश हो चुके हैं, वे कृपया संस्थान के इस प्राकृतिक चिकित्सालय से संपर्क कर अपने रोगाभिशप्त जीवन को सुखद जीवन में बदलकर शेष आयु को खुशी से व्यतीत करें।

पुण्योदय की मंगल वेला

इन दिनों जैन श्रीसंघ एवं वैदिक समुदाय में चातुर्मास-सत्संग की जहां-तहां अमृत वर्षा हो रही है। साधु-साध्वियां वर्षायोग के इन चार माह में अपने प्रवचनों द्वारा मानव मात्र को सेवा और सात्विक जीवन जीने का संदेश देते हुए जीवन को सार्थक करने की प्रेरणा दे रहे हैं।

जिस गांव नगर में संत-महात्मा, मुनि, आचार्य, गुरू भगवंतों का वर्षा योग (चातुर्मास) प्रवास होता है, वहां वातावरण में धर्म की सुगंध महक उठती है और त्योहार जैसा माहौल बन जाता है।

वैदिक पंचांग के अनुसार चातुर्मास का आरंभ आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी से होता है इस बार इसकी शुरूआत 17 जुलाई से हो चुकी है। चातुर्मास पूर्णोदय की मंगल बेला है। जैन और वैदिक धर्म में तो इसका बहुत ही महत्व है। चातुर्मास में जैन श्रीसंघ अत्यंत उत्साह के साथ इस आयोजन को तो भव्यता प्रदान करते हैं ही, साधु-साध्वी वृंद की रत्नत्रय से दमकती काया का संस्पर्श पाकर उनका भी सौभाग्य जाग उठता है। चातुर्मास आहार-विहार, व्यवहार और व्यापार की शुद्धि से मानव मन को हरा-भरा कर देता है। वर्षा के इन चार माह में प्रचुर जीवोत्पत्ति की हिंसा से बचने के लिए अहिंसा-आराधक, साधु-साध्वी आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक स्थिरवास कर श्रावक-श्राविकाओं को जप-तप और साधना से अनुप्राणित करते हैं। जिससे जीवन यात्रा सुगम और सार्थक हो जाती है। चातुर्मास में संतजन के सानिध्य में व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। भटकाव समाप्त होकर सदाचार पूर्ण जीवन जीने का पथ प्रशस्त होता दिखाई पड़ता है। सात्विक जीवन के लिए सत्संग, मन, वचन और काया को पवित्र करता है। वैदिक मान्यतानुसार इस अवधि में विशेषकर व्रत, देव-दर्शन और धार्मिक नियमों के पालन का बड़ा महत्व हैं। इन चार माह में सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु शयनावस्था में रहते हैं। आषाढ़ की देवशयनी एकादशी (17 जुलाई) से कार्तिक माह की देवउठनी एकादशी (21 नवंबर) तक चातुर्मास की इस अवधि में सभी शुभ कार्य निषेध माने गए हैं। चातुर्मास में सात्विक जीवन नियमों का पालन करते हुए संतजन के भजन-प्रवचन का लाभ लेना चाहिए। ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए जो किसी दूसरे की भावना को आहत करे। चातुर्मास में दीन-दुखियों, पीड़ितों, निराश्रितों और जरूरतमंदों को दान करना अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।

प्रेरणापुंज श्रीकृष्ण

जब प्रकृति में नैराश्य होता है, जीवन में अंधकार फैलता है, सर्वत्र निराशा का वातावरण और धर्म की हानि होती है। दु:ख-दैन्य के काले बादल गरजते हैं और आपत्तियों की वर्षा टूटकर पड़ती है, तब-तब अवतार के रूप में कोई मुक्तिदाता प्रकट होता है। भगवान श्री विष्णु के ऐसे ही पूर्णावतार हैं- श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व में मानव, गृहस्थ, योद्धा, सारथी, योगीराज, धर्म रक्षक, अवतार भाव को समझ पाना सहज नहीं तो कठिन भी नहीं है। माता-पिता से दूर उनका बालपन गोकुल में नंद बाबा के घर बीता जहां गाय चराना, दही-माखन की चोरी, यशोदा माता को खिजाना, पूतना और कालिया नाग के प्राण हरण, इंद्र का मान भंग करना आदि लीलाएं प्रमुख हैं। उसके बाद मथुरा में कंस वध कर माता-पिता को कारागार की बेड़ियों से मुक्त करना और आगे चलकर जरासंध व शिशुपाल जैसे आततायियों का नाश करना उनके अवतार होने का समाज को संदेश था।

धर्म सारथी :- श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध में धर्म की रक्षा के लिए पांडवों का साथ दिया। युद्ध में वह अर्जुन के सारथी बने और भीष्म पितामह, गुरू द्रोण, अंगराज कर्ण जैसे महारथियों के नेतृत्व में दुर्योधन की विशाल सेना का सर्वनाश कर दिया।

विराट रूप :- जब अर्जुन ने महाभारत युद्ध में प्रतिद्वंद्वी सेना में अपने ही पितामह, गुरू, बंधु-बांधवों आदि को देखा तो मन विचलित हो उठा। तब श्रीकृष्ण ने अपना विराट स्वरूप उसे दिखाया जिसमें प्रलय काल की अग्नि के समान मुख में 11 रूद्र, 12 सूर्य, 8 वसु, गंधर्व, यक्ष, राक्षस, संपूर्ण ब्रह्माण्ड देखकर अर्जुन भयभीत हो गए। उसने मान लिया कि जो कुछ भी है वह सब ईश्वर में ही समाया हुआ है। ऐसा ही विराट रूप उन्होंने बालपन में माता यशोदा को भी दिखाया था जब उनके मुंह से मिट्टी निकालने के लिए माता ने उन्हें मुंह खोलने के लिए कहा तो वह उनके मुंह में संपूर्ण ब्रह्मांड को देखकर चकित रह गई। उन्हें भरोसा हो गया कि उनके लला का जन्म निश्चित उद्देश्यों को लेकर ही हुआ है। उनके गोकुल से मथुरा जाने में बाधक बनना ठीक नहीं।

सबके सहायक :- श्रीकृष्ण ने दीन-दुखियों की हमेशा सहायता की। दीन -हीन बाल सखा सुदामा को ही नहीं बल्कि उनके पूरे गांव को धन-धान्य और ऐश्वर्य से पुष्ट कर दिया। द्रोपदी की लज्जा को भंग नहीं होने दिया। नानी बाई के मायरा भरने के दौरान भक्त नरसी मेहता की हुंडी स्वीकार कर उसे अपमानित होने से बचा लिया। दुर्योधन के छप्पन भोग त्याग कर विदुर की कुटिया में साधारण भोजन किया।

श्रीकृष्ण की साधना-आराधना से सभी कष्टों का निवारण हो जाता है।

पीड़ित मानवता के तारणहार व गीता के उद्गाता भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव (26 अगस्त) पर संस्थान में उनके विविध लीला प्रसंगों को दर्शाती झांकियां मानव मंदिर प्रांगण में प्रतिष्ठित की जाएंगी। इस दौरान जन्मजात दिव्यांग बालकों की नि:शुल्क सर्जरी का विशेष शिविर भी होगा। इसमें सहयोगी बनकर पुण्यार्जन करें।

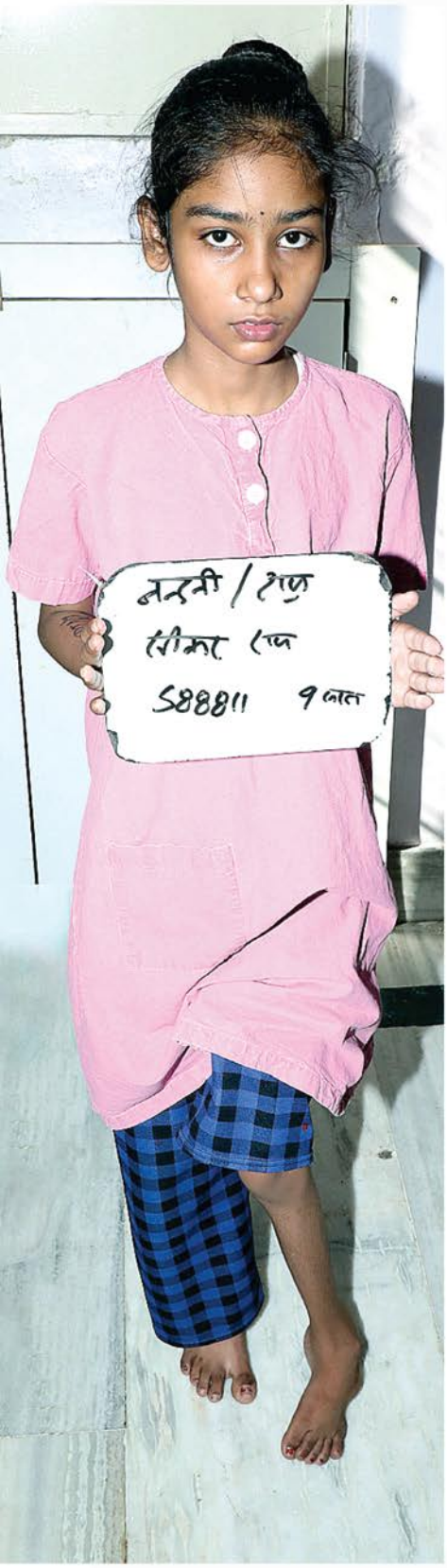

ऑपरेशन के बाद नंदिनी खुश

जन्म के 3 साल बाद अचानक तबियत खराब होने से नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उपचार के दौरान इंजेक्शन के दुष्प्रभाव के कारण वह पोलियो का शिकार हो गई।

राजस्थान के सीकर जिले के दातारामगढ़ निवासी राजू-संतोष कुमावत की बेटी नंदिनी अब 11 वर्ष की हो चुकी है। बांया पांव घुटने और पंजे से मुड़ गया। परिवार की गरीबी के चलते बच्ची का आगे उपचार नहीं हो पाया। पिता राजू टाइल्स लगाने का काम कर परिवार का गुजारा करते हैं। बेटी को लंगड़ाते चलते देख परिजनों को भी काफी तकलीफ होती थी।

नंदिनी को स्कूल आने-जाने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इसी बीच पिता को टीवी से नारायण सेवा संस्थान में निःशुल्क पोलियो उपचार की जानकारी मिली तो वे तुरन्त ही बेटी को लेकर 22 मार्च 2023 को उदयपुर स्थित संस्थान पंहुचे। संस्थान में बाएं पांव की जांच के बाद क्रमशः 25 मार्च और 11 अगस्त को दो ऑपरेशन हुए। करीब 13 विजिंग के बाद नंदिनी अब अपने पांवों पर न सिर्फ खड़ी हो पाती है बल्कि चलती-दौड़ती है। बेटी को आसानी से चलता देख परिवारजन बहुत खुश हैं।

पहली बार चले नन्हें पांव

संस्थान के प्रयासों ने अंकित को न सिर्फ चलने की, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने की भी शक्ति दी है।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के कुड़वाँ गाँव में रहने वाले कृपाराम गुप्ता और उनके परिवार के लिए वह समय बहुत कष्टकारक था जब 6 वर्ष पूर्व बेटे का जन्म दोनों पैरों के पंजों के तिरछे और मुड़े होने के साथ हुआ था। पिता ने कई डॉक्टरों से संपर्क किया, लेकिन किसी ने भी कोई ठोस उपचार अथवा विकल्प नहीं सुझाया। एक दिन कृपाराम को एक रिश्तेदार ने नारायण सेवा संस्थान के बारे में बताया कि उदयपुर स्थित यह संस्थान निःशुल्क शारीरिक दिव्यांगता से पीड़ित लोगों के लिए विशेष उपचार और सेवा प्रदान करता है। कृपाराम ने तुरंत निर्णय लिया और बेटे अंकित (6) को लेकर उदयपुर आ गए।

संस्थान के हॉस्पीटल पहुँचने पर डॉक्टरों ने अंकित के पैरों की गहनता से जाँच कर ऑपरेशन की सलाह दी। बांये पांव का पहला ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ, और 1 महीने बाद दूसरे दांये पांव का ऑपरेशन भी किया गया। दोनों ऑपरेशनों के बाद, 5 से 7 बार विजिंग की गई फिर विशेष बूट की मदद से, अंकित के पैरों की संरचना में धीरे-धीरे सुधार होने लगा।

इस पूरी प्रक्रिया के दौरान संस्थान के विशेषज्ञों और फिजियोथेरेपिस्टों ने अंकित के पंजों में आते बदलाव पर विशेष ध्यान दिया। लगभग 8 महीनों की मेहनत और धैर्य के बाद, वह दिन भी आया जब अंकित अपने पैरों पर खड़ा हो सका। कृपाराम की आंखों में खुशी के आंसू थे।

अंकित के चेहरे पर आत्मविश्वास की चमक थी, और उसके पंजे अब मजबूत और सीधे हो गए थे। परिजनों ने नारायण सेवा संस्थान के डॉक्टरों और दानदाताओं का धन्यवाद किया, जिनकी मेहनत और समर्पण ने उनके बेटे को नया जीवन दिया।

नया काम – नई पहचान

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के गांव में रहने वाले रवि देवांगन हर दिन की तरह 28 जनवरी 2021 की सुबह भी वह अपनी ड्यूटी पर निकले थे, उन्हें नहीं पता था कि अगले कुछ ही पल उनकी जिंदगी में भूचाल लाने वाले हैं। एक भयानक मोड़ पर उनकी बस और एक ट्रक की आमने-सामने भिड़न्त हो गई। कंडक्टर रवि गंभीर रूप से घायल हो गए। जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया तब उनका बायां पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। डॉक्टरों ने परिवार की सहमति से घुटने तक पांव को काट दिया। क्योंकि आगे उन्हें गेगरीन होने की आशंका थी। यह 4 फरवरी का दिन था। यह समय उनके और उनके परिवार के लिए अत्यंत कठिनाई भरा था। रवि के लिए यह स्वीकार करना मुश्किल था, कि अब उसकी जिंदगी पहले जैसी नहीं रह पाएगी। हर कदम पर उन्हें किसी न किसी के सहारे की जरूरत होगी और हुई भी।

इसी कठिन दौर में, उन्हें सोशल मीडिया से उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान के बारे में पता चला कि वहां निःशुल्क नारायण लिंब लगाए जाते हैं। रवि ने बिना देर किए संस्थान से संपर्क किया। संस्थान आने पर पांव का माप ले विशेष कृत्रिम पैर पहनाकर चलने-फिरने की ट्रेनिग दी गई। उन्होंने यहां केवल चलना ही नहीं सीखा, बल्कि घर बैठे रोजगार करने की दिशा में कदम भी बढ़ाया। संस्थान द्वारा संचालित निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण केंद्र में निःशुल्क मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स में प्रवेश लिया। जिसने उन्हें न केवल तकनीकी ज्ञान दिया, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ाया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, रवि ने एक नई ऊर्जा के साथ अपनी जिंदगी शुरू करने का फैसला किया। वे कहते हैं कि अब 'मेरी एक नई पहचान होगी' और नया काम होगा'। उनके इन शब्दों में आत्मविश्वास और आशा की झलक साफ नजर आती थी।

तीन राज्यों में दो हजार से अधिक दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग

पिछले दिनों छत्तीसगढ़,तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में संस्थान द्वारा आयोजित सेवा शिविर में दो हजार से अधिक दिव्यांगजन को निःशुल्क अत्याधुनिक कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। जिससे विभिन्न हादसों में अपने हाथ-पैर खो देने वाले ये भाई-बहिन रूकी हुई जिंदगी को पुनः गतिमान बनाने में समर्थ हो सके।

रायपुर में 30 जून को आयोजित शिविर में 756 से अधिक दिव्यांगजन को अपर-लोवर कृत्रिम अंग व कैलिपर प्रदान किए गए। शिविर का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया। विशिष्ट अतिथि राज्य के युवा एवं खेल मंत्री श्री टंकराम जी वर्मा, विधायक श्री मोतीलाल जी साहू, श्री पुंरदर जी मिश्रा व श्री अनुज जी शर्मा थे। मुख्यमंत्री ने संस्थान संस्थापक श्री कैलाश जी 'मानव' व अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी द्वारा दिव्यांगों का जीवन सुगम बनाने की मुहिम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राज्य में दिव्यांगजन की सेवा के

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री ने किया सेवा शिविर का उद्घाटन

लिए संस्थान की हर संभव सहायता की जाएगी। शिविर में मुख्यमंत्री करीब एक घंटा रहे और छत्तीसगढ़ तथा निकटवर्ती मध्य प्रदेश के दूरदराज इलाकों से आए दिव्यांगजन से बातचीत की। प्रारंभ में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया जी ने मुख्यमंत्री व विशिष्ट अतिथियों का पगड़ी, शॉल, उपरणा और स्मृति चिन्ह से अभिनंदन किया। उल्लेखनीय है शिविर में मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा व समाजसेविका संजना देवी भी उपस्थित थे। भैया जीने मुख्यमंत्री को बताया कि 17 मार्च को रायपुर में जिन 756 दिव्यांगजन के कटे हाथ-पांव के माप लिए गए थे, उन सभी को शिविर में विशेषज्ञ तकनीशियनों द्वारा निर्मित कृत्रिम अंग प्रदान किए गए हैं। शिविर के दौरान दिव्यांगजन के बैडमिंटन व फुटबॉल के संक्षिप्त समय के प्रदर्शन मैच भी हुए। संस्थान निदेशक श्री देवेंद्र चौबीसा व जनसम्पर्क प्रभारी श्री भगवान प्रसाद गौड़ के अनुसार शिविर में 315- ओवर लिंब, 120 -अपर लिंब, 80 मल्टीपल और 280 कैलीपर लगाए गए।

810
तेलंगाना में दिव्यांग लाभान्वित

हैदराबाद (तेलंगाना) में 16 जून को संस्थान के शिविर में 600 से अधिक दिव्यांग भाई-बहिनों को 810 से अधिक नारायण कृत्रिम अंग प्रदान किए गए। किंग कोठी स्थित ईडन गार्डन में आयोजित इस निःशुल्क दिव्यांग सहायता शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय सांसद श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, राज्यसभा सदस्य श्री अनिल यादव एवं सामाजिक कार्यकर्त्ता श्रीमती माधवीलता, श्री गौरी शंकर एवं श्री कमल नारायण राठी ने दीप प्रज्जवलन कर किया। सांसद रेड्डी ने कहा कि संस्थान की इस मानवीय सेवा से दिव्यांगजन के जीवन स्तर में सुधार तो आएगा ही वे परिवार और समाज को बेहतर योगदान भी कर सकेंगे। सांसद अनिल यादव ने तेलंगाना के दिव्यांगजन की सेवा के लिए संस्थान की प्रशंसा की। माधवीलता ने

संस्थान और साधकों के ध्येय व संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि हादसों में अंग खो देने वाले भाई-बहिन के चेहरों पर कृत्रिम अंग पाकर जो खुशी दिख रही है, वह मानवता की बड़ी सेवा है। इससे पूर्व संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, निदेशक वंदना अग्रवाल व पलक अग्रवाल ने मंचासीन मुख्य अतिथियों सहित विशिष्ट अतिथि सर्वश्री जयशंकर, मल्लिकार्जुन राव, जसमत भाई, उत्तम डामरानी, अलका चौधरी और रिदेश जागीरदार सहित दानदाताओं का मेवाड़ की पाग व उपरणा पहनाकर स्वागत-सम्मान किया। सेवक प्रशांत भैया ने संस्थान के विभिन्न निःशुल्क सेवा-प्रकल्पों व आगामी 5 वर्षों के सेवा-संकल्पों की जानकारी दी।

शिविर में 400 नारायण कृत्रिम पैर, 50 कृत्रिम हाथ, 55 कृत्रिम बहुअंग तथा 45 कैलीपर लगाए गए। इस वृहद शिविर में संस्थान की 80 सदस्यीय चिकित्सा एवं तकनीक टीम ने सेवाएं दी। शिविर में हैदराबाद आश्रम से कम्प्यूटर, सिलाई व कला-शिल्प के विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 26 निर्धन व दिव्यांगजन को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। शिविर का संचालन ऐश्वर्य त्रिवेदी ने तथा समन्वयक रोहित तिवारी व अचल सिंह भाटी ने आभार व्यक्त किया।

आन्ध्रप्रदेश के 325 दिव्यांग लाभान्वित

आंध्रप्रदेश के विशाखापट्नम में 7 जुलाई को निःशुल्क नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर विश्वनाद कन्वेंशन, पोर्ट स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। जिसमें 325 से ज्यादा दिव्यांगों को अपर-लोवर कृत्रिम अंग और केलिपर्स प्रदान किए गए । मुख्य अतिथि पूर्व सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव, सेवा भारती स्टेट सचिव शंकर राव, संभागीय संयोजक भागचंद अग्रवाल और बीजेपी जिला अध्यक्ष रविंद्र रेड्डी ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। श्री नरसिम्हा राव ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। इसके लिए संस्थान अभिनंदन का पात्र है। वे विभिन्न क्षेत्रों से आये दिव्यांगजन से मिले और उन्हें शुभकामनाएं दी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व एमएलसी पीवीएन माधव, कॉर्पोरेटर श्री नागराजन, श्री विपिन जैन, श्री सुमन प्रकाश सरावगी, श्री विष्णु समाज के जब्बर सिंह, पोर्ट स्टेडियम के चेयरमैन

श्री बी काशी विश्वनाथम् व लायंस श्री अशोक अग्रवाल भी मौजूद रहे।

प्रारम्भ में संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया और स्थानीय शाखा संयोजक श्री राज कुमार शर्मा ने मंचासीन अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा से स्वागत किया और संस्थान की एक मुट्ठी आटे से शुरू हुई सेवायात्रा से रूबरू कराया। प्रोजेक्टर द्वारा दिव्यांगजन की दुरूह जिंदगी को आसान बनाने के प्रयासों की पर्दे पर जानकारी दी गई। निःशक्तजन को निःशुल्क 100 वॉकर और 15 व्हीलचेयर भी बांटी गई। आरएसएस के भागचंद अग्रवाल ने संस्थान की हर संभव मदद की घोषणा की।

शिविर स्थल पर कृत्रिम अंग पहनकर दिव्यांगों ने परेड की और फुटबॉल व बेडमिंटन भी खेला। दिव्यांगों के इन हौसलों को देख पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा। वरिष्ठ साधक रोहित तिवारी ने शिविर में सहयोगी सेवा भारती (आरएसएस) वनवासी कल्याण आश्रम,गुजराती समाज, मारवाड़ी समाज, अखिल भारतीय मारवाड़ी समाज, राजस्थान संस्कृत मंडल, लायंस क्लब, गायत्री परिवार, श्री विष्णु सेवा चौरिटेबल ट्रस्ट, रेंजर फोर्स चैरिटेबल ट्रस्ट, खाण्डल विप्र सभा,सहित 25 से अधिक समाज सेवी संघों को सम्मानित किया।

अचल सिंह भाटी ने शिविर प्रतिवेदन में बताया कि 122 लोवर लिंब, 40 अपर लिंब, 30 मल्टिपल लिंब और 65 केलिपर्स लगाए गए। मौके पर संस्थान की स्थानीय नई शाखा का राजकुमार शर्मा के सानिध्य में गठन किया गया । शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लड्ढा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन व संचालन महिम जैन ने किया।

झीनी झीनी रोशनी 63

इसी उपक्रम के चलते वह कृष्ण कुमार पब्बुन की दुकान पर पहुँच गया। यह अत्यन्त सज्जन व सहयोगी स्वभाव के व्यक्ति थे। उदयपुर में उनकी अच्छी प्रतिष्ठा थी, वे अच्छे लेखक और साहित्यकार भी थे। पब्बुन खुशी-खुशी कैलाश जी को मासिक किश्त पर साईकिल देने को तैयार हो गए। कैलाश जी ने आवश्यक न्यूनतम राशि जमा कराई और साईकिल घर ले आये। अब रोज साईकिल से ही कार्यालय जाने लगे तो जिन्दगी मानों बहुत आसान लगने लगी। (शीघ्र ही कैलाश जी उदयपुर के जनजीवन से अभ्यस्त हो गए, जिन्दगी सामान्य गति से चल रही थी। उधर बीसलपुर में राजमल भाईसा का सत्तू वितरण कार्य यथावत चल रहा था। कैलाश जी समय निकाल कर उसमें भाग लेने की हरसंभव कोशिश करते। उदयपुर में भी उन्होंने यह क्रम जारी रखा। यहां से जवाई बांध हेतु कोई ट्रेन नहीं थी, ट्रेन फालना से लेनी पड़ती थी। शनिवार शाम को वे बस से फालना देर रात तक पहुँचे। कड़ाके की सर्दी में भी उन्होंने अपना यह क्रम जारी रखा।

कैलाश जी को पुस्तकों से तो प्रेम था ही। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की 'साकेत' उन्हें अत्यन्त प्रिय थी। यह पुस्तक वे हमेशा साथ रखते और जब भी समय मिलता इसे पढ़ते रहते। बस फालना रात्रि की एक बजे पहुँचती थी, वहां से जवाई बांध हेतु रात को 4 बजे ट्रेन मिलती थी। ठंड के दिनों में कोई डिब्बे का दरवाजा नहीं खोलता था, कोई यात्री अगर फालना उतरता तो डिब्बा खोलता तो वे लपक कर बैठ जाते। ट्रेन यहां सिर्फ दो मिनिट रूकती थी इसलिये ज्यादा डिब्बों की तलाश भी संभव नहीं थी। कई बार डिब्बा नहीं खुलता तो कैलाश जी को डिब्बे के दरवाजे से लटक कर ही जाना पड़ता। ठंड के दिनों में हवा के थपेड़ों को झेलते हुए घन्टा भर भी निकालना अत्यन्त दुष्कर था मगर मानव जी की लगन, जवानी का जोश और विपरीत परिस्थितियों से अपने आप को ढालने की उनमें अद्‌भुत क्षमता थी। क्रमशः

दिल्ली में नारायण सेवा केंद्र

के. सी. निझावन मानव मंदिर का भूमि पूजन

नारायण सेवा संस्थान सेवा केंद्र का **14** जुलाई को नई दिल्ली के जनकपुरी क्षेत्र में भूमि पूजन पूर्ण वैदिक विधि से सम्पन्न हुआ। समाजसेविका श्रीमती प्रेम निझावन जी द्वारा इस केन्द्र के लिए भूमि दान की गई है। जिस पर उनके पति स्व. श्री के.सी. निझावन जी की स्मृति में भव्य मानव मंदिर का निर्माण आरंभ हो गया है। एक भव्य समारोह में नींव मुहूर्त के साथ ही श्रीमती प्रेम निझावन का संस्थान की ओर से अभिनंदन किया गया। संस्थान-संस्थापक आचार्य महामण्डलेश्वर परमपूज्य कैलाश जी 'मानव' ने इस अवसर पर भेजे अपने संदेश में कहा कि निझावन दम्पत्ती संस्थान की स्थापना के प्रारंभिक वर्षों से ही गरीबों दिव्यागों और निराश्रितों की सेवा में संलग्न रही।

संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने श्रीमती निझावन को अभिनन्दन पत्र भेंट करते हुए कहा कि निझावन परिवार ने दीन-दुखियों की सेवा का कोई अवसर कभी नहीं खोया। संस्थान द्वारा प्रति वर्ष आयोजित निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन युवक-युवतियों का सामूहिक विवाह समारोह हो अथवा दिव्यांगों की सर्जरी या गरीब बच्चों की शिक्षा, इन्होंने उसमें हमेशा बढ़ चढ़ कर योगदान किया। के.सी. निझावन जी की स्मृति में बनने वाले इस सेवा केंद्र में दिल्ली और उसके आस - पास के क्षेत्रों के दिव्यांगजन कृत्रिम अंग, कैलीपर फिजियोथेरेपी सेवा तथा विभिन्न स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण निःशुल्क प्राप्त कर सकेंगे।

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी 'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विशेषज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गोरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव
(पाली)

प्रेरणा स्त्रोत

स्व. आचार्य श्रीराम जी शर्मा एवं भगवती देवी जी

स्व. श्री मदन लाल जी एवं मातुश्री सोहिनी देवी जी

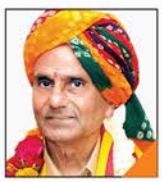

संस्थान के परम संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
(यू.के.)

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लैडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोंटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ाताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा,मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला कैन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई 09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डोकानिया, न्यु ओस्वाल ओनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट थाने, 401105

पूणे 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर
जोधपुर (राज) 342001

कोटा 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-वी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

तमिलनाडु

कोयंबटूर
7412060419,बी-32, साई कृपा अपार्टमेंट, राजलक्ष्मी कॉलोनी, टीवीएस नगर, कौंडमपलायम रोड, ईबी कॉलोनी, कोयंबटूर (तमिलनाडु) 641025

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज 09351230393,
म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ 08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ 09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

पंजाब

लुधियाना 07023101153
381/382, बी-17,
गुलाटी डांस क्लास के पास,
भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़ 7073452176, 8949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़-160047

आन्ध्र प्रदेश

विशाखापट्टनम
9257017593
45-40-9/2, ऊपर की मंजिल, एसवीएम बेकरी के सामने, संगम ऑफिस के पास, बस स्टॉप, अक्कयपालेम मेन रोड, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) 530016

गुजरात

सूरत 09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा 9529920081
म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

दिल्ली

रोहिणी 08588835718,
08588835719, बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8 रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 07023101167
सी1/212, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342
ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास
विकासपुरी 110018

असम

गुवाहाटी
9529920089,मकान नं. 07, भुबन भयं पथ, सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने, चंद्रमुख सत्रिया अकादमी के पास, पोस्ट-बामुनी मैदान, कामरूप मेट्रो, गुवाहाटी (असम) 781009

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, नारायण सेवा संस्थान
68-डी, राधिका धाम के पास,
कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्दलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कैलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080, 6375387481
आशीष नगर सोसायटी अभिषेक सोसायटी के पास मीना बाजार चार साला मेघानीनगर अहमदाबाद गुजरात 380016

राजकोट
09529920083, बी-33,
शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

राजस्थान

जयपुर
9529920089, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ–पैर)	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.

गरीब को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रतिशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने मे करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।
रोगी को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।
आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

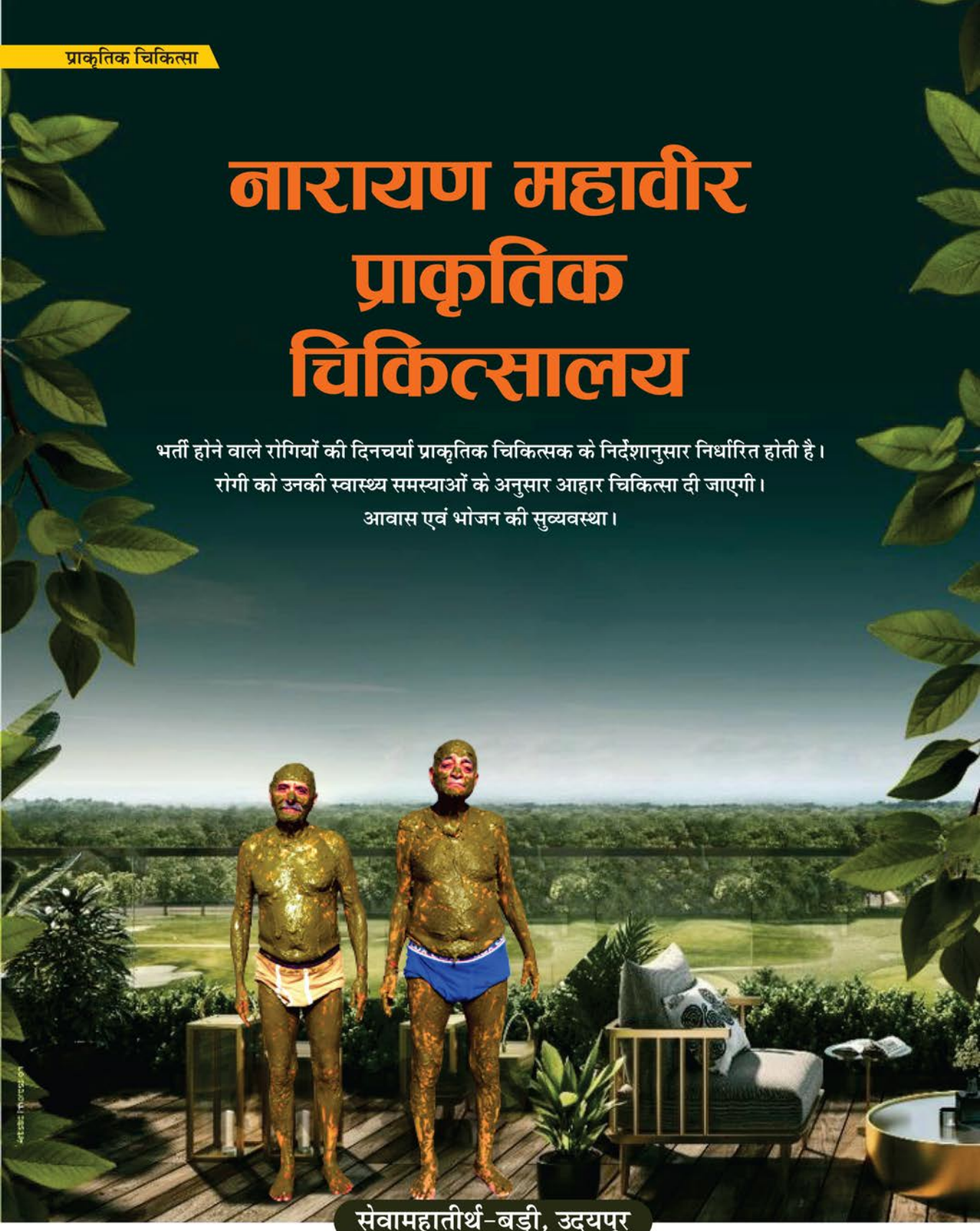

सेवामहातीर्थ-बड़ी, उदयपुर

एक बार सेवा का मौका अवश्य देवें-श्रीमान्

Tel. : +91 294 6622222 +91 7023509999 | E-mail: narayanseva.org

दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

दिनांक :
31 अगस्त व
1 सितम्बर, 2024
स्थान : सेवा महातीर्थ
बड़ी, उदयपुर

दिव्यांग एवं
निर्धन कन्याओं
के बनें धर्म
माता-पिता

narayanseva@sbi

कन्यादान (एक दिव्यांग कन्या)
₹ 1,00,000

मायरा सहयोग
₹ 51,000

पाणिग्रहण संस्कार (प्रति जोड़ा)
₹ 21,000

भोजन सहयोग
₹ 11,000

मेहंदी और हल्दी रस्म (प्रति जोड़ा)
₹ 5,100

Seva Soubhagya Print Date 1 August, 2024 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-